

वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 के लिये ASI परणाम

प्रलिस के लिये:

[उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण](#), [सकल वरुधति मूल्य](#), [सकल घरेलु उतपाद \(GDP\)](#), [नविल वरुधति मूल्य](#), [राषट्रीय सांख्यकी कार्यालय \(NSO\)](#)

मेन्स के लिये:

सकल वरुधति मूल्य और आर्थिक वकिसा का आकलन करने में इसका महत्त्व, उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASI), संवृध और वकिसा

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यो?

हाल ही में सांख्यकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (Ministry of Statistics and Programme Implementation- MoSPI) ने वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 की संदरभ अवधके लिये [उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण \(Annual Survey of Industries- ASI\)](#) के परणाम जारी किये जनिहें **ASI 2020-21 और ASI 2021-22** कहा जाता है।

ASI 2020-21 और ASI 2021-22 परणामों की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- **सकल वरुधति मूल्य (GVA) में वृध:**
 - वर्ष 2019-20 की तुलना में वर्ष 2020-21 में **GVA** में **8.8%** की वृध हुई है जो कि मुख्य रूप से इनपुट में तेज़ गरिवट (4.1%) के कारण, जो किकोवडि द्वारा प्रभावति वर्ष के दौरान सेक्टर में आउटपुट के संकषेण (1.9%) की भरपाई के कारण हुआ है।
 - वर्ष 2021-22 में औद्योगिक उतपादन में उच्च वृधके कारण, GVA में **वर्ष की तुलना में 26.6%** की उल्लेखनीय वृध हुई, जो मूल्य के संदरभ में 35% से अधिक बढ़ी।
 - वर्ष 2021-22 में **क्षेत्र द्वारा पंजीकृत नविसति पूंजी, इनपुट, आउटपुट, GVA, नविल आय और नविल लाभ** जैसे अधिकांश महत्त्वपूर्ण आर्थिक मापदंडों के स्तर के साथ-साथ वकिसा में भी तीव्र वृधदिखी गई तथा इसने पूर्ण मूल्य के संदरभ में महामारी-पूर्व स्तर को भी पार कर लिया है।
- **प्रमुख उद्योग चालक:**
 - वर्ष 2021-22 में इस वृधके मुख्य चालक मूल **धातु, कोक और परषिकृत पेट्रोलियम उतपाद**, फार्मास्युटिकल उतपाद, मोटर वाहन, खाद्य उतपाद तथा रासायनिक एवं रसायन उतपादों की वनिरिमाण जैसे उद्योग थे।
 - इन उद्योगों ने कुल मलाकर वर्ष 2020-21 की तुलना में 34.4% की GVA वृध और 37.5% की आउटपुट वृधके साथ, क्षेत्र के कुल GVA में लगभग 56% का योगदान दिया।
- **क्षेत्रीय प्रदर्शन:**
 - **GVA के संदरभ में गुजरात वर्ष 2020-21 में शीर्ष पर** तथा वर्ष 2021-22 में दूसरे स्थान पर रहा जबकि महाराष्ट्र वर्ष 2021-22 में पहले और वर्ष 2020-21 में दूसरे स्थान पर रहा।
 - **तमलिनाडु, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश** ने वनिरिमाण GVA में योगदान देने वाले शीर्ष पाँच राज्यों में नरितर अपना स्थान बनाए रखा है।
- **रोज़गार रुझान:**
 - **महामारी** के कारण वर्ष 2020-21 में रोज़गार में मामूली गरिवट के बावजूद वर्ष 2021-22 में क्षेत्र में कुल अनुमानति रोज़गार में वर्ष-प्रत-विवर्ष (Y-o-Y) 7.0% की वृधदिखी गई।
 - वर्ष 2021-22 में इस क्षेत्र में नयिोजति व्यक्तियों की अनुमानति संख्या महामारी-पूर्व स्तर से **9.35 लाख से अधिक** हो गई और साथ ही इस सेक्टर में प्रत्येक कर्मचारी द्वारा अरजति औसत वेतन वगित वर्षों की तुलना में वर्ष 2020-21 में 1.7% तथा वर्ष 2021-22 में 8.3% की वृध हुई।
 - वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 दोनों में वनिरिमाण क्षेत्र में सबसे अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान करने वाले शीर्ष पाँच राज्यों में **तमलिनाडु, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और हरयाणा** शामिल हैं।
 - इन राज्यों ने कुल मलाकर दोनों वर्षों में देश के कुल वनिरिमाण नयिोजन में लगभग 54% का योगदान दिया।

Table 1: Value of a few key parameters from ASI 2017-18 to 2021-22 in current prices

(Value figures are in Rupees Lakh)

Year	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
Fixed Capital	328,588,927	346,606,975	364,135,165	369,438,562	372,635,444
Invested Capital	446,094,480	477,726,474	497,362,352	519,114,310	554,493,175
Total Persons Engaged (No.)	15,614,619	16,280,211	16,624,291	16,089,700	17,215,350
Total Emoluments	41,835,716	46,207,983	49,172,897	48,389,031	56,082,801
Input	660,520,215	774,377,980	749,755,617	719,206,541	987,917,996
Output	807,217,258	928,179,908	898,330,129	880,921,387	1,192,715,147
GVA	146,697,043	153,801,928	148,574,512	161,714,846	204,797,151
Depreciation	23,729,624	26,155,291	27,309,742	28,135,986	29,964,685
NVA	122,967,418	127,646,637	121,264,771	133,578,860	174,832,466

सकल वर्द्धति मूल्य (GVA)

- उत्पादन के दौरान उत्पादक द्वारा वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में कथिा संवर्द्धन GVA द्वारा आँका जाता है।
- इसकी गणना कुल आउटपुट से इनपुट (मध्यवर्ती खपत) की लागत घटाकर की जाती है।
- यह **सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** का एक प्रमुख घटक है, जो आर्थिक विकास को दर्शाता है। **GVA** वृद्धिदरें कषेत्रीय प्रदर्शन में अंतरदृष्टि प्रदान करती हैं जो आर्थिक विश्लेषण तथा नीतनिरिमाण में सहायता करती हैं।
- GVA = GDP + उत्पादों पर सब्सडी - उत्पादों पर कर।**
- GVA से मूल्यहरास घटाने पर **नविल वर्द्धति मूल्य (Net Value Added- NVA)** प्रापत होता है।
 - NVA मध्यवर्ती खपत तथा स्थरि पूंजी की खपत दोनों के मूल्यों को घटाकर आउटपुट का मूल्य है।

उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASI) क्या है ?

- परचिय:**
 - उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण (ASI) भारत में औद्योगिक आँकड़ों का प्रमुख स्रोत है। इसकी शुरुआत वर्ष 1960 में वर्ष 1959 को आधार वर्ष मानकर की गई थी साथ ही वर्ष 1953 के सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत वर्ष 1972 को छोड़कर यह सर्वेक्षण वार्षिक रूप से जारी कथिा जाता है।
 - ASI 2010-11 से सर्वेक्षण सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008 के तहत आयोजति कथिा जा रहा है।
 - सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम, 2008 को वर्ष 2017 में सांख्यिकी संग्रहण (संशोधन) अधिनियम, 2017 के रूप में संशोधति कथिा गया है, जो संपूर्ण भारत में लागू है।
 - राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) ASI का संचालन करता है। NSO, MoSPI का हसिसा है।
 - MoSPI जारी आँकड़ों एवं गुणवत्ता के लथिे ज़मिमेदार है।
- वसितार एवं कवरेज:**
 - ASI **फ़ैक्टरी अधिनियम, 1948** की धारा 2(m)(i) और 2(m)(ii) के तहत पंजीकृत कारखानों को कवर करता है।

- बीड़ी और सगिर वनिरिमाण प्रतषिठान, बीड़ी और सगिर शर्मकि (रोजगार की शर्तें) अधनियिम, 1966 के तहत पंजीकृत हैं।
- वदियुत के उत्पादन, पारेषण और वतिरण में लगे वदियुत उपकरम, **केंद्रीय वदियुत प्राधकिरण (CEA)** के साथ पंजीकृत नहीं हैं।
- **100 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले व्यावसायिक प्रतषिठानों के व्यवसाय रजसिटर (BRE) में शामिल** हैं, जसि राज्य सरकारों द्वारा अद्यतन रखा जाता है, जब भी राज्य सरकारें ऐसी सूची प्रदान करती हैं।

■ डेटा संग्रहण तंत्र:

- ASI के लिये डेटा वर्ष 2017 में **संशोधति सांख्यिकी संग्रह अधनियिम 2008** तथा वर्ष 2011 में इसके तहत बनाए गए नयिमों के तहत चयनति कारखानों से एकत्र कयि जाते हैं।

भारत का औद्योगिक क्षेत्र

- भारत ने अपनी वनिरिमाण गतशीलता में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव देखा है। परंपरागत रूप से **कपड़ा, हस्तशिल्प और कृषि-आधारित उद्योगों** में अपनी प्रगतिके लिये जाना जाने वाले इस देश ने अपने वनिरिमाण पोर्टफोलियो में वविधिता दर्शायी है।
- **कोवडि-19 महामारी** के बाद औद्योगिक उत्पादन में लगातार सुधार हो रहा है।
 - वतित वर्ष 2021-22 में कोवडि महामारी से उबरने के बाद औद्योगिक उत्पादन में 11.4% की दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई। वतित वर्ष 2022-23 में औद्योगिक उत्पादन में 5.2% की वृद्धि हुई।
 - वतित वर्ष 2023-24 की अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के दौरान **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)** ने पछिले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6.9% की संचयी वृद्धि दर्ज की।
 - उपरोक्त अवधि के दौरान **वनिरिमाण, खनन और वदियुत क्षेत्र** के सूचकांक में क्रमशः 6.4%, 9.4% तथा 8.0% की वृद्धि हुई।
- **'मेक इन इंडिया'** जैसी पहल ने एक अनुकूल कारोबारी वातावरण बनाया और साथ ही नविश तथा स्वदेशी वनिरिमाण को प्रोत्साहित कयि है।
- **उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (PLI)** वभिन्न क्षेत्रों को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत को विश्व स्तर पर प्रतसिपर्धी बनाने का लक्ष्य रख रहे हैं।
- **आठ प्रमुख उद्योगों** का संयुक्त सूचकांक अक्टूबर 2022 के सूचकांक की तुलना में अक्टूबर 2023 में 12.1% (अनंतमि) बढ़ गया।
 - सभी आठ प्रमुख उद्योगों (अर्थात् **सीमेंट, कोयला, कच्चा तेल, वदियुत, उर्वरक, प्राकृतिक गैस, रफाइन्री उत्पाद और इस्पात**) के उत्पादन में वर्ष 2022 के इसी महीने की तुलना में अक्टूबर 2023 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई।
- जैसे-जैसे **उद्योग 4.0**, कृत्रमि बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी प्रौद्योगिकियों को अपनी वनिरिमाण प्रक्रियाओं में एकीकृत करना महत्त्वपूर्ण है तथा इसके लिये एक कुशल एवं अनुकूलनीय कार्यबल की आवश्यकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न 1. 'आठ मूल उद्योगों के सूचकांक (इंडेक्स ऑफ एट कोर इंडस्ट्रीज़)' में नमिनलखिति में से कसिको सर्वाधिक महत्त्व दयिा गया है? (2015)

- कोयला उत्पादन
- वदियुत उत्पादन
- उर्वरक उत्पादन
- इस्पात उत्पादन

उत्तर: (b)

प्रश्न 2. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2015)

- पछिले दशक में वास्तवकि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर में लगातार बढ़ती रही है।
- पछिले दशक में बाज़ार कीमतों पर (रुपए में) सकल घरेलू उत्पाद लगातार बढ़ाता रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न.1 "सुधारोत्तर अवधि में सकल-घरेलू-उत्पाद (जी.डी.पी.) की समग्र संवृद्धि में औद्योगिक संवृद्धि दर पछिड़ती गई है।" कारण बताइए। औद्योगिक नीति में हाल में कथि गए परिवर्तन औद्योगिक संवृद्धि दर को बढ़ाने में कहाँ तक सक्षम हैं? (2017)

प्रश्न. 2 सामान्यतः देश कृषि से उद्योग और बाद में सेवाओं को अंतरति होते हैं, पर भारत सीधे कृषि से सेवाओं को अंतरति हो गया है। देश में उद्योग के मुकाबले सेवाओं की वशाल संवृद्धि के क्या कारण हैं? क्या भारत सशक्त औद्योगिक आधार के बनि एक विकसति देश बन सकता है? (2014)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/asi-results-for-2020-21-and-2021-22>

